

तितली और कली

Page No 47:

Question 1: (क) तितली कली के पास क्यों गई थी?

(ख) तितली और कली ने क्या खेल खेला?

(ग) तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

Answer: (क) तितली कली के पास उसे जगाकर खेलने गई थी।

(ख) तितली और कली ने पकड़म-पकड़ाई का खेल खेला।

(ग) तितली द्वारा खेल खेलने की बात सुनकर कली खुश हो गई।

Question 2:

गली-गली का मतलब है सारी गलियाँ कली-कली का मतलब है सारी कलियाँ।

अब नीचे लिखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाओ-

घड़ी-घड़ी

जगह-जगह

घर-घर

डाल-डाल

Answer: (1) घड़ी-घड़ी=घड़ियाँ- तुम घड़ी-घड़ी बाहर क्यों देख रही हो? (2) जगह-जगह=जगहें- लोग जगह-जगह थूकने से बाज़ नहीं आते हैं। (3) घर-घर=घरों- नेताजी के भाषण घर-घर सुने जाते थे। (4) डाल-डाल=डालियाँ- बंदर डाल-डाल में जाकर कूद रहा था।

Question 3: (क) तितली कली के पास कब गई होगी?

सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐

(ख) तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

Answer: (क) तितली कली के पास सुबह गई होगी।

(ख) सुबह के समय सारे फूल-पौधे, जीव-जन्तु, पुश-पक्षी उठ जाते हैं। अतः हमने अंदाज़ा लगाया कि तितली भी उसी समय गई होगी।

Question 4: (क) कविता में से वे शब्द ढूँढो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं। जैसे- कली, भली।

(ख) नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

.....बोलो.....तितली.....डाल.....
.....
.....

Answer: (क) गली, खिली, चली।

(ख)

.....बोलो.....तितली.....डाल.....
.....तोलो.....मितली.....बाल.....
.....खोलो.....तिल्ली.....ढाल.....

Page No 48:

Question 5: (क) महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे

(ख) ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

पसंद है	पसंद नहीं है
.....
.....
.....
.....

ग) तुम्हारे आसपास ऐसे कौन-कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।

(घ) तुम्हारे घर में किस-किस तरह की महक आती है? (जैसे- साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

Answer: (क) अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे खुशबू।

बुरी लगने वाली महक को कहेंगे बदबू।

(ख)

पसंद है	पसंद नहीं है
नहाने के साबुन की	कपड़े धोने वाले साबुन की
चमेली के फूलों की	पसीने की
काँफी की	गंदी जुराबों की
खाने की	कूड़े की

(ग) हमारे आसपास मोगरा, गुलाब के फूल खिलते हैं। इनकी बहुत तेज़ महक होती है।

हमारी भाषा बांग्ला है। बांग्ला भाषा में इन्हें इन नामों से पुकारते हैं-

बांग्ला भाषा में फूलों के नाम
बेली फूल (मोगरा)
गुलाप (गुलाब)

(नोट: विद्यार्थी इस प्रश्न का उत्तर अपने माता-पिता से पूछकर करें।)

(घ) हमारे घर में इस तरह की महक आती है-

रसोईघर- विभिन्न तरह के खाने की, सरसों के तेल की, कड़ी पत्ते की, अदरक-लहसुन की।

बगीचे- मोगरे तथा अन्य फूलों की।

कमरे- फिनाइल की, पिताजी के इत्र की, सिर पर लगाने वाले तेल की।

Page No 49:

Question 6: खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगी और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगी? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
.....

.....
.....
.....

Answer:

जागेंगे	नहीं जागेंगे
बाहर खेलने के लिए	छुट्टी के दिन नहाने के लिए
खाना खाने के लिए	कुत्ते को घुमाने के लिए
बाज़ार जाने के लिए	—
स्कूल जाने के लिए	—

छुट्टी के दिन नहाने के लिए- छुट्टी के दिन सुबह उठकर नहाने के लिए नहीं जागेंगे। आराम से देर तक सोएँगे और छुट्टी का आनंद उठाएँगे।

कुत्ते को घुमाने के लिए- कुत्ते को घुमाने के लिए रोज़ ले जाना पड़ता है। यह मुझे अच्छा नहीं लगता है।

(नोट: इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं करें।)

Question 7:

हरी डाल पर लगी हुई थी नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है। नीचे लिखी चीज़ें किन-किन रंगों की हो सकती हैं?

.....	तितली	सूरजमुखी
.....	बैंगन	लड्डू
.....	पेंसिल	प्याला
.....	कुर्ता	साग
.....	संतरा	मिट्टी

Answer: तितली- हल्के हरे, गुलाबी, पीली, काली-भूरी बहुत से रंग की होती हैं।

बैंगन- बैंगनी और हल्के हरे रंग के होते हैं।

पेंसिल- फूलों वाली काली-लाल, तथा बहुत से रंगों की होती हैं।

कुर्ता- सफ़ेद, लाल, पीला, बहुत से रंग का होता है।

संतरा- संतरी रंग का होता है।

सूरजमुखी- यह फूल गहरे पीले रंग का होता तथा इसके बीज काले रंग के होते हैं।

लड्डू- यह पीले रंग का होता है।

प्याला- यह काले, सफ़ेद, लाल बहुत से रंग में मिलते हैं।

साग- यह हरे रंग का होता है।

मिट्टी- यह भूरे, लाल, स्लेटी, पीली बहुत से रंग की होती है।